भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-203
उत्तर देने की तारीख-25/11/2024

बच्चों में प्राथमिक स्तर का कौशल, बुनियादी ज्ञान और कौशल की कमी

†203. श्री अ:मनि .

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(कक्या कई प्राथमिक छात्रों को प्राथमिक स्तर का संख्यात्मक कौशल सीमित है और उनमें (बुनियादी ज्ञान और कौशल की भी कमी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(खसरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं (;
(गक्या सरकार का शिक्षण विधियों और पाठ्यक्रम का पुनर्मूल्यांकन करने का विचार है और यदि (हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(घक्या शिक्षकों को उचित प्रशिक्षण न (दिए जाने के कारण बच्चों की शिक्षा अत्यधिक प्रभावित हुई है;
(ङक्या सरकार शिक्षकों को और अधिक प्रशिक्षण प्रदान करती है और उनके द्वारा दी जा रही (निष्पादन -शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए नियमित परीक्षा आयोजित करके उनके कार्य का मूल्यांकन भी करती है; और
(चसरकार द्वारा विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए उठाए गए अन्य कदमों का (ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (च): स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओएसईएंडएल), शिक्षा मंत्रालय बच्चों की प्रगति और अधिगम क्षमताओं का मूल्यांकन करने के लिए, तीन वर्ष के अंतराल में कक्षा III, V, VIII और X के लिए नमूना आधारित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) का एक कार्यक्रम कार्यान्वित कर रहा है। यह शिक्षा प्रणाली की स्थिति के संकेतक के रूप में कार्य करता है, ताकि विभिन्न स्तरों पर सुधारात्मक कार्रवाई के लिए उचित कदम उठाए जा सकें। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के 720 जिलों के 1.18 लाख सरकारी और निजी स्कूलों के लगभग 34 लाख विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक प्रकार के स्कूलों के छात्रों के प्रदर्शन को प्रदर्शित करने वाले एनएएस 21 के राष्ट्रीय, राज्य और जिला रिपोर्ट कार्ड दिनांक 25.05.2022 को

http://nas.gov.in पर सार्वजनिक डोमेन में जारी कर दिए गए हैं।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओएसई एंड एल) द्वारा राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के अंतर्गत परख (समग्र विकास हेतु ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण) को स्थापित किया गया है। इसने राज्य शैक्षिक उपलब्धि सर्वेक्षण (एसईएएस) 2023 आयोजित किया है। इस सर्वेक्षण का प्राथमिक उद्देश्य प्रत्येक शैक्षिक चरण अर्थात् आधारभूत, प्रारंभिक और मध्य स्तर के अंत में आधारभूत साक्षरता, आधारभूत संख्याज्ञान, भाषा और गणित में छात्रों की अधिगम क्षमताओं का मूल्यांकन करना है। एसईएएस-23 में कार्यनीतिक बदलाव के रूप में जिले के स्थान पर ब्लॉक स्तर पर छात्रों की अधिगम कमी को समझने के लिए प्रतिदर्श में ब्लॉक्स को शामिल किया है। एसईएएस-23 में 6416 शैक्षिक ब्लॉक्स के 4 लाख स्कूलों के लगभग 8.4 मिलियन छात्रों और 6 लाख शिक्षकों का मूल्यांकन किया गया।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओएसईएंडएल) वर्ष 2018-19 से स्कूल शिक्षा के लिए एकीकृत केंद्र प्रायोजित योजना- समग्र शिक्षा कार्यान्वित कर रहा है। समग्र शिक्षा योजना को राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुरुप बनाया गया है, जिसका उद्देश्य नई शैक्षणिक और पाठ्यचर्या संरचना (5+3+3+4) की शुरूआत, प्रारंभिक बाल्यकाल देखभाल और शिक्षा तथा मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान आदि जैसे विभिन्न उपायों के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है और बालवाटिका (प्रीस्कूल) के 3 वर्षों से कक्षा 12 तक की सम्पूर्ण शिक्षा सातत्य को कवर करना है।

दिनांक 5 जुलाई, 2021 को राष्ट्रीय बोध पठन एवं संख्या ज्ञान दक्षता पहल (निपुण भारत) नामक एक राष्ट्रीय मिशन शुरू किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश का प्रत्येक बच्चा कक्षा 2 के अंत तक आवश्यक रूप से मूलभूत साक्षरता और संख्याज्ञान प्राप्त कर ले। इस मिशन की स्थापना समग्र शिक्षा योजना, जो स्कूल शिक्षा के लिए एक एकीकृत योजना है की केंद्र प्रायोजित योजना के तत्वावधान में की गई है, समग्र शिक्षा के अंतर्गत, सभी 36 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र निपुण-भारत मिशन का कार्यान्वयन कर रहे हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) में प्रासंगिक अवधारणाओं को विकसित करने और अपेक्षित दक्षता प्राप्त करने पर बल दिया गया है ताकि बच्चे स्कूली शिक्षा शुरू करने पर इष्टतम शिक्षा प्राप्त कर सकें। समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए, दिनांक 29 जुलाई, 2021 को कक्षा-1 के लिए 'विद्या प्रवेश' नामक 3 माह का खेल आधारित 'स्कूल तैयारी मॉड्यूल और दिशानिर्देश' शुरू किया गया था। विद्या प्रवेश कार्यक्रम का लक्ष्य विभिन्न पृष्ठभूमि से कक्षा-I में आने वाले सभी बच्चों में स्कूल की तैयारी को बढ़ावा देना, कक्षा-1 में बच्चों का सुचारू अंतरण सुनिश्चित करना, आनंदमय और प्रेरणादायी वातावरण में खेल आधारित, आयु और विकास अनुकूल अधिगम अनुभव प्रदान करना है जिससे समग्र विकास हो सके। 12 सप्ताह के मॉड्यूल में बच्चे की पूर्व साक्षरता, पूर्व संख्याज्ञान, संज्ञानात्मक और सामाजिक कौशल को बढ़ावा देने के लिए कक्षा-1 में प्रवेश करने वाले बच्चों हेतु विकासात्मक रूप से उपयुक्त अनुदेश शामिल हैं। सभी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र विद्या प्रवेश कार्यक्रम कार्यान्वित कर रहे हैं।

मूलभूत चरण (बाल वाटिका के तीन वर्ष एवं कक्षा 1 एवं 2) में अधिगम परिणामों को बेहतर बनाने के लिए दिनांक 20 अक्टूबर, 2022 को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-फाउंडेशनल स्टेज (एनसीएफ-एफएस) जारी की गई, जिसमें पाठ्यक्रम, शिक्षकों के प्रशिक्षण, अधिगम शिक्षण सामग्री (एलटीएम) आदि हेतु एक संरचना प्रदान की गई। तदनुसार, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उपयोग के लिए एनसीईआरटी द्वारा बालवाटिका (प्री-स्कूल के 3 वर्ष) के लिए जादुई पिटारा और कक्षा 1 और 2 के लिए पुस्तकें प्रदान की गई हैं।

जादुई पिटारा - 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का एक संग्रह विकसित किया गया है और दिनांक 20 फरवरी, 2023 को शुरू किया गया है। जादुई पिटारा एक बॉक्स है, जिसमें मूलभूत चरण के लिए 53 शिक्षण-अधिगम सामग्री (एलटीएम) हैं। इसमें खिलौने, खेल, पहेलियाँ, कठपुतलियाँ, पोस्टर, फ़्लैशकार्ड, कहानी कार्ड, छात्रों के लिए प्ले बुक सेट और शिक्षकों के लिए हैंडबुक शामिल हैं।

ई-जादुई पिटारा (ई-जेपी) का शुभारंभ दिनांक 10 फरवरी 2024 को किया गया था। ई-जेपी एक ऐप और वेबसाइट है जिसमें खेल-आधारित शिक्षाशास्त्र के साथ नवीनतम प्रौद्योगिकी को एकीकृत किया गया है और यह जादुई पिटारा की शिक्षा को प्रसारित करने और इसे कक्षा की चारदीवारी से बाहर ले जाने का एक माध्यम है।

शिक्षकों को सतत अधिगम अवसर प्रदान करने के लिए अक्टूबर 2020 में दीक्षा (डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग) प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए निष्ठा (स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों के समग्र विकास हेतु राष्ट्रीय पहल) ऑनलाइन शुरू की गई थी ताकि प्रारंभिक शिक्षकों तक पहुंच बनाई जा सके और इसका विस्तार सभी स्तर के शिक्षकों तक लिया जा सके। इसमें संवाद हेतु अनेक दृष्टिकोण अर्थात वीडियो के साथ-साथ टेक्स्ट मॉड्यूल शामिल हैं। ये सभी सामग्री आधारभूत साक्षरता और संख्याज्ञान (एफएलएन) के तीन विकासात्मक लक्ष्यों और अधिगम परिणामों के अनुरूप हैं।

आंगनवाड़ियों में उच्च गुणवत्ता वाले ईसीसीई शिक्षकों का प्रारंभिक कैडर तैयार करने के लिए जुलाई, 2022 में निष्ठा-ईसीसीई और एफएलएन शुरू किए गए हैं। इसका उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास के लिए विकासात्मक रूप से उपयुक्त शिक्षाशास्त्र पर मास्टर प्रशिक्षकों को जागरूक बनाना है, जो आधारभूत स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ाने में योगदान देगा। ये आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और प्रीस्कूल शिक्षकों दोनों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

*****